EDITION IND ಕನ್ನಡ മലയാളം বাংলা తెలుగు தமிழ் मराठी ગુજરાતી Samayam English Pregatips लॉगिन

NBT नवभारत टाइम्स
By THE TIMES OF INDIA

बिजनेस न्यूज बिजनेस भारत राज्य दुनिया T20 WC लाइफस्टाइल धर्म रियल एस्टेट मनोरंजन टेक ऑटो हेल्थ शिक्षा More शहर

बजट रुपया डायरी इनकम टैक्स कमाएं-बचाएं फाइनेंशियल लिटरेसी रेलवे शेयर बाजार रिन्यूएबल एनर्जी फोटो विडियो ईटी की पाठशाला

ट्रेंडिंग टॉपिक्स Manohar Lal Khattar Interview Anil Amani News Russian Oil Import NMDC Steel Production Money Matter

Hindi News / Business / Business News / Vedanta Chairman Anil Agarwal Call For Batter Freedom Of Work For Industrialist Amid Gulf Crisis

जिस युद्ध से हमारा लेना-देना नहीं उसकी कीमत चुका रहे हैं भारतीय, अनिल अग्रवाल का ऐसे छलका दर्द

Authored By: शिशिर चौरसिया | नवभारतटाइम्स.कॉम • 12 Mar 2026, 4:25 pm IST

Subscribe YouTube 12M

Anil Agarwal Facebook Post: वेदांता समूह के संस्थापक और अध्यक्ष हैं अनिल अग्रवाल। उन्होंने खाड़ी युद्ध के दौरान भारतीयों को हो रही दिक्कत पर फेसबुक पर एक लंबा पोस्ट लिखा है। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए संदेश देने की कोशिश की है कि यदि काम करने की स्वतंत्रता मिले तो भारतीय उद्योगपति भी कमाल कर सकते हैं।

काम करने की स्वतंत्रता मिले**(फोटो- नवभारतटाइम्स.कॉम)**

नई दिल्ली: ईरान-इजरायल युद्ध का आज 13वां दिन है। इस वजह से दुनिया भर में कच्चे तेल (Crude Oil) की किल्लत हो गई है। इस युद्ध की कीमत भारतीय भी चुका रहे हैं। अपने देश में भी पेट्रोलियम पदार्थ की किल्लत की खबर आ रही है। एलपीजी गैस (LPG Cylinder) की तो कुछ ज्यादा की दिक्कत हो गई है। इस बीच वेदांता ग्रुप के चेयरमैन अनिल अग्रवाल का दर्द इस युद्ध पर छलका है। वह लिखते हैं कि जिस युद्ध से हमारा कोई लेना-देना नहीं है, उसकी कीमत भारत को चुकाना पड़ रहा है।

सोशल मीडिया पर किया पोस्ट

Advertisement

आज का AQI नई दिल्ली
तापमान वायु गुणवत्ता
197 AQI
PM2.5 124 µg/m³
अस्वस्थ
Powered By AQI

Advertisement

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक लंबे से पोस्ट में अनिल अग्रवाल ने कई मसलों को उठाया है। वह लिखते हैं "यह देखकर दिल दुखता है कि एक ऐसी War, जिससे हमारा कोई लेना-देना नहीं है, उसकी कीमत भारत को Raw Materials की कमी के रूप में चुकानी पड़ रही है। लेकिन सच यह है कि हमें यह कीमत चुकाने की ज़रूरत ही नहीं है। आखिर हम 90% Oil बाहर से क्यों मंगाएं? 95% Copper, 99.5% Gold, इतना Import हमें क्यों करना पड़ता है? जब धरती मां ने हमें अपने देश में ही सब कुछ दिया है।"

रेकमेंडेड खबरें ›

Pakistan Oil Dilemma:आईएमएफ को किया जाए खुश या जनता ...

Russian Oil: समंदर में रूसी टैंकरों का महाजाल, जो चाहे खरीदे, ताबड़तोड़ कमाई के...

PNG Connection New Rules: पाइप वाली गैस के लिए बदले नियम, एलपीजी...

LPG vs DME: एलपीजी का देसी जुगाड़, भारत ने लगा दिया है बड़ा दांव, क्या है...

Haldia Terminal: भारत में

Advertisement

काम करने की स्वतंत्रता मिले

वह कहते हैं कि इस क्षेत्र में भी यदि उद्योगपतियों को काम करने की स्वतंत्रता मिलेगी तो आयात पर निर्भरता काफी हद तक कम हो जाएगी। वह लिखते हैं "40 साल इस Industry में काम करने के बाद मैं यह बात पूरे

यकीन के साथ कह सकता हूं कि हमारी Geology दुनिया में सबसे बेहतरीन है और आज के हालातों को देखते हुए अब समय आ गया है कि वर्तमान की सकारात्मक सरकार तत्काल उद्यमियों को इस क्षेत्र में काम करने की पूरी स्वतंत्रता दे।"

Advertisement

दृढ़ संकल्प से संभव है

अक्सर लोग कहते हैं कि बिना विशेषज्ञता के किसी क्षेत्र में हाथ नहीं डालना चाहिए। लेकिन अनिल अग्रवाल कहते हैं कि यदि जुनून हो तो कुछ भी कर सकते हैं। उन्होंने अपना उदाहरण देते हुए कहा है "जब हमने शुरुआत की थी, तब इस Industry में न Technology थी, न Experts, न Finance। काम करने के लिए बहुत दृढ़ संकल्प की आवश्यकता थी। उस समय Vedanta ने विदेश से 35 अरब डॉलर जुटाकर भारत में Invest किए। Experts लाए, Technology लाए। इसी वजह से आज Hindustan Zinc silver और Fertiliser भी बनाता है। और बहुत जल्द हम Critical Minerals का उत्पादन शुरू करने के लिए मेहनत कर रहे हैं।"

पीएम मोदी से मिला हौसला

उन्होंने पीएम मोदी का जिक्र करते हुए लिखा है "इस साल मेरे परिवार पर सबसे बड़ी मुसीबत आई। ऐसे समय में प्रधानमंत्री के शब्द सुनकर मुझे बहुत हौसला मिला।" उल्लेखनीय है कि ऐसे गाढ़े वक्त में पीएम मोदी ने अनिल अग्रवाल को लिखा था "आपको मजबूत रहना चाहिए और वह काम जारी रखना चाहिए जो भारत के लिए महत्वपूर्ण है।"

कौन हैं अनिल अग्रवाल

अनिल अग्रवाल वेदांता ग्रुप के संस्थापक और चेयरमैन हैं। वह मूल रूप से बिहार के रहने वाले हैं। ब्लूमबर्ग के अनुसार इस समय उनका नेटवर्थ करीब 4.5 अरब डॉलर का है। उनकी कंपनी मुख्य रूप से ऑयल एंड गैस, जिंक, सिल्वर, एल्युमिनियम, फर्टिलाइजर आदि सेक्टर में काम करती है। इसी साल जनवरी में उनके पुत्र अग्निवेश अग्रवाल का 49 साल की आयु में अमेरिका में एक स्कीइंग दुर्घटना में निधन हो गया था।

लेखक के बारे में
शिशिर चौरसिया
शिशिर कुमार चौरसिया नवभारत टाइम्स डिजिटल (NBT.in) में बिजनेस एडिटर की भूमिका में हैं। उनके पास वित्तीय पत्रकारिता के क्षेत्र में काम करने का 27 साल से भी अधिक का अनुभव है। वह मार्च 2020 में नवभारत टाइम्स से जुड़े और तभी से बिजनेस टीम का नेतृत्व कर रहे हैं। पत्रकारिता करियर के दौरान उन्होंने केंः ... और पढ़ें

लेटेस्ट कमेंट | सारे कमेंट्स पढ़ें (1) » कमेंट पोस्ट करें

4 days ago
मैं हमेशा से इनको एक सच्चा देश भक्त मानता हूं। मैं इनके हर आर्टिकल को ध्यान से पढ़ता हूं। मैं राष्ट्रवाद के कारण इस सरकार का प्रबल समर्थक होते हुए भी ये निवेदन करना चाहता हूं कि ... और पढ़ें

Premium deck homes surrounded by lush green hills.
Forest-facing homes designed for elevated living @ ₹3.7 Get Quote
Prestige Forest Hills | Sponsored

YOU MAY LIKE PROMOTED LINKS BY TABOOLA

Fly to Phuket today
Embark on an island-hopping adventure, indulge in fresh seafood and experience thrilling water sports. Journey today with the warmth of Malaysian Hospitality.